साईलेंट किल्लर की तरह कार्य करती है डायबिटिज - भंडारी
ग्लोबल अस्पताल में मधुमेह विश्व दिवस को लेकर कार्यक्रम का आयोजन

माउंट आबू, 13 नवम्बर। केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल, आंतरिक सुरक्षा अकादमी निदेशक, पुलिस महानिरीक्षक निदेशक के.एस. भंडारी ने कहा कि डायबिटीज़ की बीमारी साईलेंट किल्लर की तरह कार्य करती है। जो इंसुलिन को असुंतलित कर शरीर को दिन प्रतिदिन खोखला करती जाती है। धीमी गति से स्वास्थ्य को जीर्णशीर्ण करने वाली मधुमेह व्याधि से बचाव को लेकर जीवनशैली में परिवर्तन लाने की जरूरत है। डायबिटिज की बीमारी हर आयु वर्ग को अपना शिकार बना रही है। भागदौड़ भरी जिदंगी में समय रहते इस पर लगाम लगाने के लिए गंभीर होने की जरूरत है। ग्लोबल अस्पातल द्वारा डायबिटिज को लेकर किए जा रहे कार्यक्रम हर आयु वर्ग को लाभान्वित कर रहे हैं। वे मंगलवार देर शाम ग्लोबल अस्पताल माउंट आबू के ऑडोरियम में मधुमेह विश्व दिवस के उपलक्ष्य मेंं आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

ग्लोबल अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रताप मिढ्ढा ने कहा कि मधुमेह बीमारी से ग्रस्ति हर वर्ष दस लाख मौत के मुंह में जा रहे हैं। दिनोदिन बढ़ते इस आंकड़े पर लगाम कसने के लिए गंभीरतापूर्वक दिनचर्या व खानपान में बदलाव लाना चाहिए। कड़ा परिश्रम करने, नियमित व्यायाम, भोजन का परहेज करने से इस बीमारी से निजात पाना संभव है।

मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. श्रीमंत साहू ने कहा कि हर बीस सेकेंड में किसी ने किसी डायबिटिज के शिकार रोगी के पांव काटे जा रहे हैं। मधुमेह के असर से 80 फीसदी लोगों को हृदयरोग की विकृतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। मधुमेह से बचने के लिए कोई भी लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। देश भर में डायबिटिज व परिवार विषय को लेकर चलाए जा रहे कार्यक्रमों में मरीजों को इसका लाभ लेना चाहिए।

डॉ. बीके बिन्नी सरीन ने कहा कि संतुलित आहार, शारीरिक व्यायाम, सकारात्मक सोच, राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास, आसन, प्राणायाम आदि को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से मधुमेह से मुक्ति पाई जा सकती है।

इस अवसर पर डॉ. साहू ने प्राजेन्टेशन के माध्यम से डायबिटीज से होने वाले नुकसान व उससे बचाव को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

13एमएबी1,2
माउंट आबू। मधुमेह को लेकर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथिगण।
माउंट आबू। कार्यक्रम में उपस्थित लोग।